

शब्दावली

## शब्दावली

<b>द्विदिशी पाइपलाइन</b>	गैस पाइपलाइनें जिनमें पाइपलाइन के दोनों ओर से गैस संचारित हो सकती है। कहीं गैस निकाली जाती है और कहीं कम्प्रेसर दबाव उत्पन्न करते हैं, के आधार पर विभेदक गैस दोनों दिशाओं को आ जा सकती है।
<b>आन्तरिक खपत</b>	उसी संगठन अथवा सम्बन्धित उपक्रम द्वारा विनिर्मित/उत्पादित वस्तुओं/विद्युत की खपत जो अन्य उत्पाद के विनिर्माण के लिए जाती है, आन्तरिक खपत कहलाती है।
<b>सीजीडी नेटवर्क</b>	सिटी गैस वितरण नेटवर्क का अर्थ घरेलू औद्योगिक अथवा वाणिज्यिक परिसरों तथा सीएनजी स्टेशनों को एनजी आपूर्त करने वाली सेवा पाइपो को एनजी परिवहन हेतु गैस पाइपलाइनों के अन्तर सम्बद्ध नेटवर्क से है।
<b>सामान्य वाहक क्षमता</b>	सामान्य वाहक प्रणाली के अन्तर्गत एनजी पाइपलाइन की अभिकल्पित क्षमता स्वत्व की स्वयं की आवश्यकता और ठेका वाहक आधार पर आबंटित क्षमता के अतिरिक्त गैर भेदमूलक आधार पर तीसरी पार्टी को उपलब्ध होगी।
<b>ठेका वाहक क्षमता</b>	ठेका वाहक प्रणाली के अन्तर्गत एनजी पाइपलाइन की क्षमता स्वत्व की स्वयं की आवश्यकताओं के अतिरिक्त ऐसी शर्तों तथा निबंधनों, जैसी आपसी सहमति हो जाए, के आधार पर कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए एनजी की मात्रा के परिवहन हेतु स्वत्व के निश्चित करार करने के अध्यक्षीन किसी अन्य स्वत्व को उपलब्ध है।
<b>अनुप्रवाह क्षेत्र</b>	अनुप्रवाह क्षेत्र प्राकृतिक गैस और तेल आधारित उत्पादों की वास्तविक संसाधन, बिक्री और बितरण को शामिल करता है।
<b>फालबैक आधार</b>	अस्थाई उपलब्ध अतिरिक्त गैस के इष्टतम उपयोग के लिए भारत सरकार द्वारा एनजी का फालबैक आधार आबंटन।
<b>फीडस्टाक</b>	फीडस्टाक वह पदार्थ है जिसे ईंधन अथवा ईंधन के किसी अन्य रूप को परिवर्तित अथवा ऊर्जा उत्पाद के रूप में सीधे उपयोग किया जा सकता है।

<b>फ्लोटिंग स्टोरेज तथा पुनः गैसीकरण यूनिट (एफएसआरयू)</b>	फ्लोटिंग स्टोरेज एवं पुनः गैसीकरण यूनिट प्राप्ति, भण्डारण, दबावीकरण तथा द्रवीकृत गैस का पुनः गैसीकरण, जैसे मौलिक कार्यों और तटीय गैस पाइपलाइन ग्रिड के अंदर गैस की मीटरिंग और उसे भेजने की ऑनबोर्ड प्रणाली है। एफएसआरयू कार्यान्वयन के लिए सरल कुछेक तटीय योजना प्रक्रिया मामलों हेतु सस्ती और पुनः स्थापन लाभों के लिए अधिक लचीली है।
<b>गैस क्षेत्र</b>	ठेका क्षेत्र के अन्दर, एक एनजी भण्डार/सामूहिक भौगोलिक ढांचे के अन्दर एनजी भण्डारों का समूह
<b>हाइड्रोकार्बन गैस</b>	हाइड्रोकार्बन कच्चे तेल/एनजी से प्राप्त की जाती हैं जैसे इथेन, प्रोपेन और एनजी द्रव एनजी से प्राप्त किए जाते हैं।
<b>हाइड्रोकार्बन</b>	हाइड्रोकार्बन तथा कार्बन अणुओं के कार्बननिक रसायन यौगिक। इनके विशाल संख्या में मिश्रण होते हैं और वे सभी पेट्रोलियम उत्पादों के आधार बनते हैं। वे गैस, द्रव, ठोस के रूप में विद्यमान हो सकते हैं।
<b>पृथक गैस क्षेत्र</b>	छोटे अन्वेषण जहाँ उत्पादन बहुत कम होता है एवं पृथक गैस क्षेत्र जहाँ अधिकतम उत्पादन 0.1 एमएमएससीएमडी से कम होता है।
<b>द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस</b>	साधनों, पकाने के उपकरणों और वाहनों को गर्म करने में इंधन के रूप में प्रयुक्त हाइड्रोकार्बन गैसों का ज्वलन शील मिश्रण द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रोपेन अथवा बूटेन का मिश्रण) है।
<b>द्रव ईंधन</b>	द्रव ईंधन जैविक ईंधनों से प्राप्त ज्वलनशील अथवा ऊर्जा उत्पादक अणु हैं।
<b>एलएनजी</b>	द्रव रूप को सामान्य दबाव पर 160.5 <sup>मं</sup> पर घनीभूत करके एलएनजी के रूप में प्राप्त किया जाता है और विद्युतरोधी दीवारों से बने विशेषीकृत टैंकर द्वारा जटिलरूप में ढोई जाती है एवं टर्मिनलों पर प्राप्त की जाती है।
<b>एलएनजी वेल्यू चेन</b>	एलएनजी चेन चार कार्यों यथा एनजी अन्वेषण तथा उत्पादन (ईएण्डपी), द्रवीकरण, जहाजरानी, प्राप्त करना तथा वितरण से बनती है। ई एण्ड पी में प्राकृतिक भण्डारों से तेल, एनजी का निष्कर्षण शामिल होता है। द्रवीकरण इसकी मात्रा को कम कर

	<p>द्रवीकरण संयंत्रों पर शीतन प्रक्रियाओं के माध्यम से द्रव रूप में एनजी को परिवर्तित करता है। इस प्रकार मांग के केन्द्रों को सरल परिवहन के लिए अनुमति देता है। एलएनजी नौवहन के दौरान द्रवस्थिति में एलएनजी रखने के लिए इन्सूलेटेड कार्गो निर्मित विशेषरूप से डिजाइन जहाजों में भारित की जाती है। एलएनजी प्राप्त करने वाला टर्मिनल एलएनजी भण्डारण टैंकों और पुनः गैसीकरण सुविधाओं, जो एलएनजी को तप्त करने के द्वारा वापस इसकी गैस स्थिति में लाते हैं जिसे वाष्पीकरण के रूप में भी जाना जाता है, से बनता है। इसके बाद इसे अन्त प्रयोक्ताओं को वितरण हेतु पाइपलाइन प्रणाली में भेजा जाता है।</p>
<b>एलएनजी टर्मिनल</b>	<p>एलएनजी प्राप्त करने वाला टर्मिनल एलएनजी भण्डारण टैंको और पुनः गैसीकरण सुविधाओं, जो एलएनजी को तप्त करने की प्रक्रिया द्वारा वापस उसकी गैस स्थिति में लाते हैं जिसे वाष्पीकरण के रूप में भी जाना जाता है, से बनता है। इसके बाद इसे अन्त प्रयोक्ताओं को वितरण हेतु पाइपलाइन प्रणाली में भेजा जाता है।</p>
<b>कम उठान</b>	<p>कम उठान, उठान अनुबंध के प्रतिकूल है जिसमें एक क्रेता भावी उत्पादन की एक निश्चित ठेकागत मात्रा खरीदने के लिए विक्रेता के साथ एक अनुबंधन करता है।</p>
<b>एलएसएचएस</b>	<p>ला सल्फर हैवी स्टाक (एलएसएचएस) कम सल्फर मात्रा और उच्च कैलोरी मात्रा वाले लाभ के साथ कच्चे तेल से संसाधित अवशिष्ट ईंधन है।</p>
<b>बाजार संबंधित मूल्य</b>	<p>बाजार मूल्य आर्थिक मूल्य है जिसके लिए एक वस्तु अथवा सेवा बाजार में प्रस्तुत की जाती है और सरकार द्वारा प्रभावित/आर्थिक सहायता नहीं दी जाती है।</p>
<b>नेफथा</b>	<p>नेफथा हाइड्रोकार्बन के अनेक ज्वलनशील द्रव मिश्रणों से बनता है अर्थात एक निश्चित श्रेणी में उबालने पर पेट्रोलियम, कोलतार अथवा पीट से एनजी केन्टेन्सेट अथवा आस्वन उत्पाद का संघटक है और कुछ हाइड्रोकार्बन से बनता है। यह पेट्रोलियम में द्रव हाइड्रोकार्बनों के उच्चतम तथा अत्यन्त वोला टाइल फ्रेक्शन्स के बीच शामिल होने वाला व्यापक शब्द है।</p>

<b>एनईएलपी ब्लाक</b>	किसी कम्पनी या तो विदेशी, निजी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र कम्पनी को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली आमंत्रण आधार पर नई खोज तथा लाइसेंस नीति के विभिन्न चक्र के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा तेल/एनजी खोज ब्लाकों का सौंपा जाना।
<b>नामित क्षेत्र</b>	नई खोज तथा लाइसेंस नीति के लागू होने से पूर्व नामांकन आधार पर राष्ट्रीय तेल कम्पनियों को भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत तेल/गैस खोज क्षेत्र। इस प्रकार नामित क्षेत्रों से उत्पादित गैस का मूल्य एजीएम मूल्य पर (शासन के आधार पर) विनियमित तथा निर्धारित किया जाता है।
<b>गैर एपीएम गैस</b>	एनजी की बाजार दर अथवा गैर आर्थिक सहायता प्राप्त दर पर मूल्य निर्धारण ।
<b>उत्पादन की प्रतिमानकीय लागत</b>	प्रतिमानकीय मूल्य कार्यचालन लागत पर वहन किए जाने वाले दक्षता प्राचलों, जैसे क्षमता, क्षमता उपयोग तथा उत्पादन स्तर, कच्ची सामग्री खपत, ऊर्जा खपत आदि के स्वीकार्य स्तर पर लागत के अनुमान पर आधारित होती है।
<b>पेट्रोरसायन</b>	पेट्रोरसायन कच्चे तेल तथा एनजी से प्राप्त हाइड्रोकार्बन हैं।
<b>उत्पादन भागीदारी करार</b>	सरकार और अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय खोज तथा उत्पादन (ईएण्डपी) कम्पनी के बीच करार। ईएण्डपी कम्पनी खोज, खुदाई तथा उत्पादन की लागत वहन करती है। ईएण्डपी कम्पनी की तेल/गैस की विक्री से खर्चों की प्रतिपूर्ति की जाती है। प्रतिपूर्ति के बाद तेल/गैस उत्पाद सहमतफारमूलाद्वारा बांटाजाता है।
<b>रास गैस</b>	रास गैस कम्पनी कतर की द्रवीकृत एनजी (एलएनजी) उत्पादन कम्पनी है।
<b>पुनः गैसीकरण सुविधा</b>	पुनः गैसीकरण टर्मिनल/सुविधाएं वहाँ हैं जहाँ द्रवीकृत उत्पाद उत्पादन के क्षेत्र से समुद्र के रास्ते लदान के बाद गैस रूप स्थिति में वापस लाया जाता है और संचरण तथा वितरण ग्रिड को भेजा जाता है।
<b>स्पाट एलएनजी</b>	स्पाट कार्गो एक वर्ष से कम अवधि में खरीदा जाता है।
<b>नई मूल्य निर्धारणयोजना का</b>	नई मूल्य निर्धारण याजना (एनपीएस) चरण-III। भारत सरकार द्वारा यूरिया के लिए अक्टूबर 2006 से मार्च 2010 तक की

<b>चरण III</b>	अवधि के लिए नई यूरिया नीति के अन्तर्गत लागू किया गया था। एनपीएस चरण III एनजी उपयोग को प्रोसाहित करने का प्रयत्न करता है जो यूरिया के उत्पादन के लिए अत्यन्त दक्ष और तुलनात्मक रूप से सस्ता फीडस्टाक है।
<b>सांविधिक रूप से अधिसूचित विक्री मूल्य</b>	सांविधिक रूप से अधिसूचित विक्री मूल्य सामान्यतया उत्पादन की लागत से कम होता है। उत्पादन की लागत तथा विक्री मूल्य के बीच अन्तर का विनिर्माताओं को आर्थिक सहायता /रियायत के रूप में भुगतान किया जाता है।
<b>आर्थिक सहायता</b>	आर्थिक सहायता वांछित कार्यकलाप की सहायता करने अन्त उपभोक्ता मूल्य विनियमित करने और नीतिगत तथा नीतिगत उत्पादों की उत्पादको की आय बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा दिया गया आर्थिक लाभ अथवा वित्तीय सहायता है। आर्थिक सहायता का मूल उद्देश्य किसी मद के बाजार मूल्य को इसकी उत्पादन लागत से नीचे/कम रखना है।
<b>ले जाओ अथवा भुगतान करो</b>	‘ले जाओ अथवा भुगतान करो’ ठेका कम्पनियों और उनके पूर्तिकारों के बीच समझौता वार्ता करने का एक नियम है। इस प्रकार के करार से कम्पनी या तो पूर्तिकार से उत्पाद प्राप्त करती है अथवा पूर्तिकार को उत्पादों का भुगतान करती है।
<b>संचरण ढांचा</b>	एनजी संचरण ढांचा विभिन्न गैस बाजारों/विभिन्न विद्युत, उर्वरक, सीजीडी तथा अन्य उद्योगों को विभिन्न गैस स्रोतों से जोड़ता है और जिसमें पाइपलाइन, कम्प्रेसर स्टेशन आदि शामिल होते हैं।
<b>अपस्ट्रीम क्षेत्र</b>	अपस्ट्रीम पेट्रोलियम क्षेत्र सभी पेट्रोलियम खोज तथा निष्कर्षण कार्यकलाप, जैसे खोज, विकास तथा कच्चे तेल और एनजी का संसाधन शामिल होते हैं।
<b>चक्रण प्रबंध</b>	संचरण लाइनों के ऊपर विद्युत शक्ति का परिवहन चक्रण है। चक्रण प्रबंध के अन्तर्गत लाइसेंसी की वितरण प्रणाली तथा सम्बद्ध सुविधाओं के माध्यम से विद्युत संचरित की जाती है।